

**M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)**

**Term-End Examination**

00559

**June, 2019**

**MES-052 : PSYCHOLOGY OF LEARNING AND  
TEACHING**

*Time : 3 hours*

*Maximum Weightage : 70%*

*Note : All questions are compulsory. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

Describe the characteristic features of development during adolescence period. Discuss its implications for teachers.

**OR**

Describe phenomenological and social learning approaches to understanding and development of personality and their points of difference.

2. Answer the following question in about 600 words :

Differentiate between classical and operant conditioning with examples. Explain the main features of higher order conditioning with examples.

**OR**

Describe Karl Jung's "psychoanalytic theory of personality". How is it different from Freud's psychoanalytic theory? Explain with examples.

3. Answer any *four* of the following questions in about 150 words each :

- (a) Explain constructivism in education: What are the common characteristics of constructivist instructional practices? Illustrate with examples.
- (b) Explain Positive and Negative reinforcement with their implications in classroom teaching.
- (c) Differentiate between Attitude and Aptitude with appropriate examples.
- (d) Briefly explain the humanistic approach to education citing appropriate examples.

- (e) Explain the characteristics of cognitive development during adolescence.
- (f) Explain in what ways environmental variations influence the child's intelligence and to what extent. How can a teacher address these variations in the teaching class ?

4. Answer the following question in about 600 words :

Justify how interests play an important role in teaching and learning process. Explain different ways by which the teachers can help children develop interest in their subjects and other curricular and co-curricular activities.

---

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

एम.ई.एस.-052 : अधिगम तथा अध्यापन का मनोविज्ञान

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :  
किशोरावस्था के दौरान विकास के विशिष्ट अभिलक्षणों (characteristic features) का वर्णन कीजिए। शिक्षकों के लिए इसके निहितार्थों की चर्चा कीजिए।

अथवा

व्यक्तित्व की समझ एवं विकास के लिए घटना-क्रिया-विज्ञान सम्बन्धी / तथ्य विषयक (phenomenological) और सामाजिक अधिगम के उपागमों और उनके अन्तर के बिन्दुओं (points of difference) का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

शास्त्रीय एवं सक्रिय अनुकूलन (classical and operant conditioning) में सोदाहरण अन्तर स्पष्ट कीजिए । उच्च श्रेणी अनुकूलन (higher order conditioning) के प्रमुख लक्षणों (features) की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

अथवा

कार्ल जुंग के “व्यक्तित्व के मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त” (Karl Jung’s psychoanalytic theory of personality) का वर्णन कीजिए । यह फ्रॉयड के मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त से किस प्रकार भिन्न है ? सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) शिक्षा में संरचनावाद (constructivism) की व्याख्या कीजिए । संरचनावादी अनुदेशनात्मक व्यवहारों (constructivist instructional practices) की सामान्य विशेषताएँ क्या हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(ख) कक्षा-कक्ष शिक्षण में सकारात्मक एवं नकारात्मक पुनर्बलनों एवं उनके निहितार्थों की व्याख्या कीजिए ।

(ग) उपयुक्त उदाहरणों द्वारा अभिवृत्ति (Attitude) एवं अभिक्षमता (Aptitude) में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(घ) उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से शिक्षा के मानवतावादी उपागम की संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

(ङ) किशोरावस्था के दौरान संज्ञानात्मक विकास की विशिष्टताओं की व्याख्या कीजिए ।

(च) पर्यावरणीय विविधताएँ बच्चे की बुद्धि को किन रूपों में और किस हद तक प्रभावित करती हैं ? एक शिक्षक कक्षा-शिक्षण में इन विविधताओं को किस प्रकार सम्बोधित (address) कर सकता है ?

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
- शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया में अभिरुचि (interests) किस प्रकार महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती है ? यथा-तथ्य सिद्ध कीजिए । उन विभिन्न तरीकों (ways) की व्याख्या कीजिए जिनके द्वारा शिक्षक को बच्चों में विषयों और अन्य पाठ्येतर एवं पाठ्यसहगामी क्रियाओं में अभिरुचि विकसित करने में मदद मिल सके ।
-